भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4286

सोमवार, 27 मार्च, 2023/6 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

नई पर्यटन परियोजनाओं हेतु बिहार और ओडिशा से प्राप्त प्रस्ताव

4286. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामीः

श्री रमेश चन्द्र माझीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बिहार और ओडिशा राज्य सरकारों ने पर्यटन के विकास हेतु नई पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव भेजा है;

(ख) यदि हां, तो प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) बिहार और ओडिशा में चल रही परियोजनाओं की स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन; 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान सम्बन्धी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत बिहार और ओडिशा राज्यों में पर्यटन संबंधी अवसंरचना विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों का विकास करने के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में परिवर्तित किया है। एसडी2.0 के तहत, बिहार राज्य में गया एवं नालंदा को विकास हेतु चिह्नित किया गया है तथा ओडिशा राज्य में कोरापुट को विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बिहार और ओडिशा राज्यों सहित समय-समय पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। योजना दिशानिर्देशों के संदर्भ में इन प्रस्तावों की जांच होती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

स्वदेश दर्शन (1.0),प्रसाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के तहत बिहार और ओडिशा राज्यों में स्वीकृत परियोजना और उनकी स्थिति का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

******

अनुबंध

नई पर्यटन परियोजनाओं हेतु बिहार और ओडिशा से प्राप्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में दिनांक 27.03.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 4286 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ / स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	भौतिक स्थिति (%)
1.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली - आरा - मसाद - पटना- राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	33.97	30.04	पूर्ण
2.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया रूट: सुल्तानगंज - धर्मशाला-देवघर का विकास	44.76	42.52	पूर्ण
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास- बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18	93.22	पूर्ण
4.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा - चंद्रहिया - तुरकौलिया का विकास	44.27	39.96	पूर्ण
5.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55	42.32	पूर्ण
6.	ओडिशा	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और टंपारा का विकास	70.82	63.56	94%

प्रसाद योजना (करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृत वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि
1.	बिहार	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में बुनियादी सुविधाओं का विकास**	2014-15	4.27	2.91
2.		पटना साहिब में विकास**	2015-16	41.54	33.23
3.	ओडिशा	मेगा परिपथ के तहत देउली में पुरी, श्री जगन्नाथ धाम-रामचंडी-प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना विकास ##	2014-15	50.00	10.00

**परियोजनाएं पूर्ण

परियोजना सम्पन्न कार्य की सीमा तक पूर्ण घोषित

पर्यटन अवसरंचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परियोजनाओं के नाम	केंद्रीय एजेंसी	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	स्थिति
वर्ष 2013-14						
1.	बिहार	रेल मंत्रालय के सहयोग से गया रेलवे स्टेशन पर पर्यटक सुविधाओं का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	5.18	4.14	जारी
वर्ष 2019-20						
2.	उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद-I, इलाहाबाद-II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और बिश्वनाथ घाट)	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए	भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण	28.03	7.01	जारी
वर्ष 2016-17						
3	ओडिशा	पुरी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	6.15	6.15	पूर्ण

****